औद्योगिक विकास को तेज करने की तैयारी

अमर उजाला ब्यूरो

उद्योग विभाग सक्रिय, इन्वेस्ट यूपी, एमएसएमई व यूपीसीडा के लक्ष्य तय

लखनऊ। बजट सत्र के बाद प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास को रफ्तार देने में जुट गई है। इसकी कमान खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभाल ली है। छह मंत्रियों के विदेश दौरे के साथ ही इन्वेस्ट यूपी, अवस्थापना, यूपीसीडा, एमएसएमई को लक्ष्य दिए गए हैं। उद्यमी मित्रों से रोजाना की रिपोर्ट ली जा रही है। एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभागों को अविलंब एनओसी देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सरकार के इन प्रयासों को रफ्तार देने के लिए बजट में एसएमएमई सेक्टर के लिए 3822 करोड़ दिए गए हैं ताकि 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों को टेक्नोलॉजी, उत्पादन क्षमता और रोजगार सृजन में जोड़कर उन्हें और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण और उत्पादन दक्षता वृद्धि जैसे उपाय शामिल हैं।

इन्वेस्ट यूपी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 75873 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है। राज्य में यमुना एक्सप्रेसवे पर 350 एकड़ के मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे बड़े औद्योगिक पार्कों का निर्माण तेजी से होगा। इससे मैन्युफैक्चरिंग बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में उप्र डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को भी प्रमुखता दी गई है। इसका लक्ष्य रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में निवेश और उत्पादन विस्तार है। सरकार ने सभी विभागों को समझौता ज्ञापनों को तेजी से कार्यान्वित करने के निर्देश दिए हैं ताकि निवेश प्रस्तावों को जल्द भूमि पूजन समारोह तक पहुंचाया जा सके। इसके तहत ओडीओपी जैसे अभियानों से स्थानीय उत्पादों को ग्लोबल बाजार से जोड़ा जा रहा है।